

एथलीट्स का जैविक पासपोर्ट



पिछले वर्षों में खेलकूद में अपना प्रदर्शन बेहतर करने की दृष्टि से शक्तिवर्धक रसायनों का उपयोग काफी बढ़ा है। सर्वोच्च स्तर की खेलकूद प्रतियोगिताओं में हार-जीत का अंतर इतना कम होता है कि थोड़ा-सा बेहतर प्रदर्शन ही महत्वपूर्ण हो जाता है। जहां खेल अधिकारी रसायनों के ऐसे दुरुपयोग को पकड़ने और रोकने की कोशिश करते हैं, वहीं खिलाड़ी पकड़े जाने से बचने के नित नए उपाय करते रहते हैं।

अब रसायनों के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए विश्व डोपिंग-विरोधी एजेंसी ने एक नया कदम उठाया है। इसे जीव वैज्ञानिक पासपोर्ट कहा जा रहा है। यह व्यवस्था 1 जनवरी 2014 से लागू हो गई है। इसके अंतर्गत दुनिया के सारे पेशेवर एथलीट्स को नियमित रूप से अपनी पेशाब जांच के लिए देनी होगी और एजेंसी उनके पेशाब में स्टीरॉइड की सांद्रता का रिकॉर्ड रखेगी।

इन परीक्षणों का उपयोग मौके पर किसी रसायन-विशेष के उपयोग को पकड़ना नहीं है। इनकी मदद से हर एथलीट का एक आधारभूत जैव-रासायनिक खाका तैयार किया जाएगा। स्पर्धाओं के दौरान की गई जांच के परिणामों की तुलना इस आधारभूत खाके से करके पता लगाया जा सकेगा कि क्या किसी खिलाड़ी के खाके में अचानक कोई परिवर्तन हुआ है।

दरअसल, यह व्यवस्था प्रायोगिक तौर पर 2009 में

लागू की गई थी। उसमें व्यवस्था थी कि प्रत्येक एथलीट साल में करीब 9 बार खून का नमूना देगा। इस नमूने में खून के विभिन्न घटकों की जांच की जाती है। जैसे, ऑक्सीजन का परिवहन करने वाले हीमोग्लोबिन की मात्रा, खून में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या। इनके आधार पर पता लग सकता है कि क्या किसी एथलीट ने प्रतियोगिता से पहले खून चढ़वाया है या एरिथ्रोपोएटीन का सेवन किया है, जो उसके खून की ऑक्सीजन परिवहन क्षमता को बढ़ा सकता है।

अब यही व्यवस्था पेशाब के नमूनों पर भी लागू कर दी गई है। इसके अंतर्गत हरेक एथलीट की पेशाब में स्टीरॉइड का चित्र तैयार किया जाएगा जो तुलना के लिए उपलब्ध रहेगा। फिलहाल सिर्फ टेस्टोस्टेरोन और एपिटेस्टोस्टेरोन की जांच की जाती है। नई पासपोर्ट व्यवस्था के तहत 6 स्टीरॉइड्स की जांच की जाएगी और उनके अनुपातों का रिकॉर्ड रखा जाएगा। इससे अंदाज़ लगेगा कि किसी एथलीट की पेशाब में सामान्य उतार-चढ़ाव कितने होते हैं। इससे तुलना करके देखा जा सकेगा कि किसी खास मौके पर बहुत अंतर तो नहीं आ रहे हैं। यदि बहुत ज़्यादा अंतर देखा जाता है तो यह दुरुपयोग के संदेह का आधार बनेगा।
(स्रोत फीचर्स)